

सोचो न हरि को भजलो भजना है अभी से भजलो



सोचो न हरि को भजलो,
भजना है अभी से भजलो,
श्री राधे कृष्णा को भजलो।bd।

तर्ज - समझोता गमो से करलो।

रात गई सुबहा आएगी,
जिंदगी ये गई तो,
फिर न आएगी,
मन मानी क्यों करता,
ओ मूर्ख अज्ञानी,हो,
सोचों न हरि को भजलो,
भजना है अभी से भजलो,
श्री राधे कृष्णा को भजलो।bd।

जागो प्राणी समय ये जाए,
ऐसा मौका कभी ना आए,
ग्रँथो की बाणी को,
मान ले अब तो प्राणी,हो,
सोचों न हरि को भजलो,
भजना है अभी से भजलो,
श्री राधे कृष्णा को भजलो।bd।

नाम जपीं देखो बाई मीराँ,
पार उतर गए दास कबीरा,
जिसने राधेश्याम जपा,
शरण प्रभू की पाई,हो,
सोचों न हरि को भजलो,
भजना है अभी से भजलो,
श्री राधे कृष्णा को भजलो।bd।

सोचो न हरि को भजलो,
भजना है अभी से भजलो,
श्री राधे कृष्णा को भजलो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>